माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2023–24
अंक योजना

कक्षा :– 11वीं **पूर्णांक :– 80**

विषय :– अर्थशास्त्र (कला एवं वाणिज्य) **समय :– 3:00 घंटे**

	अर्थशास्त्र में सांख्यिकी		
स. क.	इकाई	अध्याय	आवंटित अंक
1	1	परिचय–	04
2	2	आंकड़ों का संग्रह आँकडों का संगठन आँकड़ों का प्रस्तुतीकरण	11
3	3	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप	15
4	4	सह संबंध, सूचकांक सांख्यिकी की विधियों का उपयोग	10
	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास		
5	1 विकास नीतियाँ ओर अनुभव	**स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था,** (औपनिवेशिक शासन के अंर्तगत निम्न स्तरीय आर्थिक विकास कृषि क्षेत्रक, विदेशी व्यापार,जनाकिकीय परिस्थिति, व्यावसायिक संरचना, आधरिक संरचना) **भारतीय अर्थव्यवस्था (1950–90)** (पंचवर्षीय योजनाओं के लक्ष्य, कृषि, उद्योग और व्यापार, व्यापार नीतिः आयात प्रतिस्थापन)	06
6	2 आर्थिक सुधार 1991 से	**उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण– एक समीक्षा** (पृष्ठभूमि, उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, सुधारकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था एक समीक्षा)	06
7	3 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियां	**भारत में मानव पूंजी निर्माण–** (मानव पूंजी क्या है,, मानव पूंजी के स्रोत, मानव पूंजी एवं मानव विकास, भारत में मानव पूंजी निर्माण की स्थिति, शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्वि, भविष्य की संभावनाऐं।) **ग्रामीण विकास–** (ग्रामीण विकास क्या है, ग्रामीण क्षेत्रो में साख और विपणन, कृषि विपणन व्यवस्था, उत्पादक गतिविधियों का विविधीकरण, धारणीय विकास और जैविक कृषि) **रोजगार संवृद्वि अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे–** (श्रमिक और रोजगार , लोगों को रोजगार व भागीदारी, स्वनियोजित तथा भाड़े के श्रमिक, फर्मो, कारखानों तथा कार्यालयों में रोजगार, संवुद्वि एवं परिवर्तनशील रोजगार संरचना, भारतीय श्रमबल का अनौपचारीकरण, बैरोजगारी, सरकार ओर रोजगार सृजन।) **पर्यावरण और धारणीय विकास–** (पर्यावरणः परिभाषा ओर कार्य, भारत की पर्यावरण स्थिति, धारणीय विकास, धारणीय विकास की रणनीतियां)	20

8	4 भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	**भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव** (विकास पथः एक चित्रांकन,जनांकिकीय संकेतक, सकल घरेलू उत्पाद एवं क्षेत्रक, मानव विकास के संकेतक, विकास नीतियांः एक मूल्यांकन)	08
		कुल योग–	**80**

(उपरोक्त पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा सत्र 2023–24 में प्रकाशित पाठ्यपुस्तक ही अधिकृत है।)

नोट --

- प्रश्न क्रमांक – 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है।
  प्रश्न क्रमांक 1 – सही विकल्प 06,
  प्रश्न क्रमांक 2 – रिक्त स्थान 06,
  प्रश्न क्रमांक 3 – सत्य असत्य 06,
  प्रश्न क्रमांक 4 – सही जोड़ी 07
  प्रश्न क्रमांक 5 – एक वाक्य में उत्तर 07,
- प्रश्न क्रमांक – 6 से 15 तक कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 02 अंक निर्धारित है।
- प्रश्न क्रमांक – 16 से 19 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 03 अंक निर्धारित है।
- प्रश्न क्रमांक – 20 से 23 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 04 अंक निर्धारित है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2023–24
पाठ्यक्रम

कक्षा :– 11वीं **विषय :– अर्थशास्त्र (कला एवं वाणिज्य)**

	अर्थशास्त्र में सांख्यिकी	
स. क.	इकाई	अध्याय
1	1	परिचय–
2	2	आंकड़ों का संग्रह आँकडों का संगठन आँकड़ों का प्रस्तुतीकरण
3	3	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप
4	4	सह संबंध, सूचकांक सांख्यिकी की विधियों का उपयोग
	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	
5	1 विकास नीतियाँ ओर अनुभव	**स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था,** (औपनिवेशिक शासन के अंर्तगत निम्न स्तरीय आर्थिक विकास कृषि क्षेत्रक, विदेशी व्यापार,जनाकिकीय परिस्थिति, व्यावसायिक संरचना, आधरिक संरचना) **भारतीय अर्थव्यवस्था (1950–90)** (पंचवर्षीय योजनाओं के लक्ष्य, कृषि, उद्योग और व्यापार, व्यापार नीतिः आयात प्रतिस्थापन)
6	2 आर्थिक सुधार 1991 से	**उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण– एक समीक्षा** (पृष्ठभूमि, उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, सुधारकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था एक समीक्षा)
7	3 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियां	**भारत में मानव पूंजी निर्माण–** (मानव पूंजी क्या है,, मानव पूंजी के स्रोत, मानव पूंजी एवं मानव विकास, भारत में मानव पूंजी निर्माण की स्थिति, शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्वि, भविष्य की संभावनाऐं।) **ग्रामीण विकास–** (ग्रामीण विकास क्या है, ग्रामीण क्षेत्रो में साख और विपणन, कृषि विपणन व्यवस्था, उत्पादक गतिविधियों का विविधीकरण, धारणीय विकास और जैविक कृषि) **रोजगार संवृद्वि अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे–** (श्रमिक और रोजगार , लोगों को रोजगार व भागीदारी, स्वनियोजित तथा भाड़े के श्रमिक, फर्मो, कारखानों तथा कार्यालयों में रोजगार, संवुद्वि एवं परिवर्तनशील रोजगार संरचना, भारतीय श्रमबल का अनौपचारीकरण, बैरोजगारी, सरकार ओर रोजगार सृजन।) **पर्यावरण और धारणीय विकास–** (पर्यावरणः परिभाषा ओर कार्य, भारत की पर्यावरण स्थिति, धारणीय विकास, धारणीय विकास की रणनीतियां)
8	4 भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	**भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव** (विकास पथः एक चित्रांकन,जनांकिकीय संकेतक, सकल घरेलू उत्पाद एवं क्षेत्रक, मानव विकास के संकेतक, विकास नीतियाः एक मूल्यांकन)

(उपरोक्त पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा सत्र 2023–24 में प्रकाशित पाठ्यपुस्तक ही अधिकृत है।)